भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2713
04.08.2026 को उत्तर के लिए नियत

'समर्थ उद्योग भारत' पहल

2713. **श्री अनुराग शर्मा:**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) उद्योग 4.0, स्मार्ट विनिर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए 'समर्थ उद्योग भारत' पहल के अंतर्गत की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान इससे लाभान्वित उद्योगों की संख्या कितनी है;

(ख) इस पहल के अंतर्गत स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों, स्मार्ट एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब (स्मार्ट) और अन्य सुविधाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस पहल के कार्यान्वयन के लिए कितनी निधि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है तथा इसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एम.एस.एम.ई.) की कितनी भागीदारी है; और

(घ) भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए 'समर्थ उद्योग भारत' पहल के अंतर्गत ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), रोबोटिक्स, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.आई.ओ.टी.), कौशल विकास और डिजिटल विनिर्माण को अपनाने में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): भारी उद्योग मंत्रालय ने भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन संबंधी स्कीम के अंतर्गत उद्योग 4.0 को बढ़ावा देने के लिए चार स्मार्ट एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब (**समर्थ**) केंद्र स्थापित किए हैं। इन **समर्थ** केंद्रों द्वारा ऑन-साइट प्रदर्शन एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 2,700 से अधिक

उद्योगों को लाभान्वित किया गया है तथा 300 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 33,000 पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(ख): "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन संबंधी स्कीम-चरण-II" के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का राज्य-वार विवरण निम्नानुसार है:-

उत्कृष्टता केंद्र:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	आईआईटी रुड़की द्वारा उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना	उत्तराखंड
2.	आईआईटी दिल्ली में उत्कृष्टता केंद्र का संवर्धन	दिल्ली
3.	आईआईएससी, बेंगलुरु द्वारा उत्कृष्टता केंद्र का संवर्धन	कर्नाटक
4.	एआरएआई, पुणे में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी बीएचयू, वाराणसी द्वारा उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना	उत्तर प्रदेश
6.	एसआई'टार्क, कोयंबटूर में उत्कृष्टता केंद्र का संवर्धन	तमिलनाडु
7.	एएमटीडीसी, आईआईटी मद्रास द्वारा विद्यमान उत्कृष्टता केंद्र का संवर्धन	

साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	स्मार्ट फैक्टरी, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु में साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) का संवर्धन	कर्नाटक
2.	सी4आई4, पुणे द्वारा साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) का संवर्धन	महाराष्ट्र
3.	एआरएआई, पुणे में साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र की (सीईएफसी) स्थापना	
4.	बीएचईएल, तिरुचिरापल्ली में साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) की स्थापना	तमिलनाडु

परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	एआरएआई, पुणे में विद्यमान परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं का संवर्धन	महाराष्ट्र

2.	सीएमटीआई, बेंगलुरु में विद्यमान परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र का संवर्धन	कर्नाटक
3.	बीएचईएल में विद्यमान परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं का संवर्धन	मध्य प्रदेश/ तेलंगाना
4.	आईएएचटी, लुधियाना में विद्यमान परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा का संवर्धन	पंजाब
5.	मशीन टूल्स प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटीटी), बटाला में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा का संवर्धन	
6.	फ्लूइड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पलक्कड़ में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा का संवर्धन	केरल

उद्योग त्वरक:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	एआरटीपीएआरके (आईआईएससी), बेंगलुरु द्वारा उद्योग त्वरक (कैमरास) की स्थापना	कर्नाटक
2.	एफएसआईडी (आईआईएससी), बेंगलुरु द्वारा उद्योग त्वरक (समृद्धि) की स्थापना	
3.	सीएमटीआई, बेंगलुरु द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
4.	एआरएआई, पुणे में उद्योग त्वरक की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी मद्रास द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तमिलनाडु
6.	शास्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
7.	पीएसजी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
8.	इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तेलंगाना
9.	आईआईटी रुड़की में उद्योग त्वरक की स्थापना	उत्तराखंड

अर्हता पैकेज (क्यूपी):

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एएसडीसी द्वारा 23 क्यूपी का विकास	दिल्ली
2.	सीजीएसएससी द्वारा 23 क्यूपी का विकास	
3.	आईएएससी एसएससी द्वारा कौशल स्तर-6 एवं उससे ऊपर के लिए क्यूपी का विकास	

(ग): पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान स्कीम के सभी घटकों के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाओं के लिए आवंटित, जारी तथा उपयोग की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	**आवंटन (संशोधित अनुमान)**	**जारीउपयोग की गई निधि/**
2023-24	187.20	83.34
2024-25	184.00	171.63
2025-26	120.00	116.09

(घ): भारी उद्योग मंत्रालय ने भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन संबंधी स्कीम के अंतर्गत चार स्मार्ट एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग एंड रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन हब (**समर्थ**) केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य उद्योग 4.0, डिजिटल विनिर्माण, रोबोटिक्स एवं स्वायत्त प्रणाली तथा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करना है। इसके अतिरिक्त, स्मार्ट विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन हेतु उद्योग 4.0 अनुभव केंद्र तथा उद्योग 4.0-सक्षम मॉडल फैक्टरी भी स्थापित की गई है, जिससे उद्योगों को उद्योग 4.0 के उपयोग-प्रकरणों तथा डिजिटल विनिर्माण समाधानों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हो सके। इसके अलावा, भारी उद्योग मंत्रालय ने सेंटर फॉर इंडस्ट्री 4.0 (सी4आई4), पुणे के माध्यम से देशभर में 10 क्लस्टर उद्योग 4.0 अनुभव केंद्रों की स्थापना को भी स्वीकृति प्रदान की है।

*****